फरीदाबाद
मजदूर समाचार
अनुभवों तथा विचारों के आदान-प्रदान के जरियों में एक जरिया

व्हाट्सएप के जरिये भी अपनी बातें हम तक पहुँचा कर चर्चा का दायरा बढायें। मजदूर समाचार फोन पर पायें और अपने ग्रुपों में भेज कर आदान-प्रदान बढायें। हमारे इस नम्बर पर व्हाट्सएप मैसेज भेजें : 9643246782

नई सीरीज नम्बर 370 अप्रैल 2019

साँझी आत्मीयता

अरे साथी बहुत अच्छा लगा आज। पूरे 54 मिनट फोन पर बात हुई।

अरे ड्युटी के वक्त इतना टाइम मिल गया तुझे?

तनखा में देरी की है। सब ने फैसला किया कि आज ड्युटी नहीं जायेंगे। मैसेज आने लगे हैं कि कल तनखा मिल जायेगी।

यार आपने तो बात कुछ आसान-सी कर दी है। कोई टैन्शन नहीं। आराम से घण्टों बातें करने की बात कह रहे हो। कुछ यह एक आनन्दपूर्ण माहौल वाली बात कुछ काल्पनिक तो नहीं है?

दोस्त, मैं 24 साल का हो गया हूँ। सात-आठ साल का तजूर्बा हो चुका है। इतना समझ आया है कि सबसे असरदार कदम वो होते हैं जो सब के साथ आनन्दमय ढँग से उठाये जायें। जैसे कि आज की बात। एक हफ्ते की चिक-चिक कि तनखा दो, आज नहीं कल, आधे को परसों की झिक-झिक छोड़ो और साधारण-सा कदम ले लो।

यार ये कदम साधारण कब बना ? आपके हजार-पन्द्रह सौ साथियों में एक निपुणता से बात फैली, निर्णय हुआ, और अमल भी कर दिया। और यह भी एक शिफ्ट निकली, दूसरी शिफ्ट पहुँची नहीं। साथी यह कैसे ?

यह आश्चर्य की बात नहीं है। हम कई बार कर चुके हैं। किसी-भी फैक्ट्री के वरकरों से पूछो। सौ हों चाहे पन्द्रह हजार, मैं शर्त से बोल रहा हूँ कि उनके जीवन में ये अवसर कई बार आये हैं। यह क्यूँ होता है, कैसे होता है इसके ऊपर सोच सकते हैं। लेकिन यह होता है इससे कोई इनकार नहीं कर सकता। यह मेरा दावा है।

बहुत खूब साथी, बहुत खूब। लेकिन आप यह भी तो बोल रहे हो कि यह टैन्शन लिये हुये नहीं है। बल्कि आनन्द लिये है। क्या आपका यह कहना है कि एक न्यूनतम प्रयास और प्रभावी चोट वाली बात यहाँ पर है ?

मैं आप लोगों को सुन रही थी। और मुझे लगता है कि ऐसे कदमों में साँझी आत्मीयता है जो सब में है और ऐसे मौकों पर गहरे ढँग से महसूस होती है। इसलिये आज जब आपने साथी से फोन पर बात की तब आपने खुल कर सुना। उतावले नहीं थे। सलाह देने को व्याकुल नहीं थे। यह साँझी आत्मीयता से आती है।

यह अच्छा कहा आपने। उन्होंने मुझ से आराम से अपने पिछले पाँच साल के जीवन के उतार-चढाव, विचार, अपने निष्कर्ष, अपनी दुविधायें, अपने संकल्प शेयर किये। आपके कहने पर मैं आश्चर्यचकित हूँ कि मैंने उन्हें इतने आराम से सुना। यह जो आप साँझी आत्मीयता कह रही हो उसको हम कुछ और भावनाओं में, कुछ और अनुभूतियों में देख सकते हैं क्या ?

जाँचने का एक आसान तरीका तो यह हो सकता है कि कोई गुनगुनाये, बाकी गीत को पकड़ लेते हैं।

तो धुन महत्वपूर्ण है। यह तो खतरनाक बात हो गई !

एकदम ठीक। अगर धुन किसी दायरे में सीमित रह गई, या फँस गई तो आत्मघाती है। थका डालती है।

यहाँ मैं थोड़ा टोकूँगा। दायरा को आप सिर्फ स्थान की सीमाओं में नहीं देखें। दायरे को समय की गति की संगत में भी देखें। पाँच साथियों का एक कदम जब बीस, सौ-दो सौ में दोहराया जाता है तो बहुत बल ग्रहण कर लेता है। और वह नया कदम दिखने लगता है।

रिपीट तो होते ही हैं। इधर से कदम उठा। उधर से सुना। वहाँ से लिया। यहाँ बताया। किसी कदम को नकारा। कहीं नया उठा और चर्चा में आ कर उत्तेजित किया। कोई किसी के नतमस्तक नहीं।

अवज्ञा। अवमानना। नाफर्मानी।

किसकी ?

आदेशों की।

साँझी आत्मीयता तो बनती है, उभरती है जब-जब आदेश किनारे धकेल दिये जाते हैं।

मानव जीवन का अनुभव हमें यहाँ ले आया है।

आपकी इस पंक्ति को गम के गीत में नहीं ढाला जा सकता। यह तो आप जीवन के उल्लास का प्रचार कर रहे हो।

क्रूर बुद्धि की एक झलक

✶जेसी ऑटोफेब (213 सैक्टर-58, फरीदाबाद) फैक्ट्री में 150 मजदूरों द्वारा 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में तीसों दिन काम सामान्य है। सप्ताह में शिफ्ट बदलती है, रविवार को एक शिफ्ट के वरकर 24 घण्टे ड्युटी करते हैं। उनका लन्च समय ड्युटी में से इधर काटने लगने पर 21 मार्च को मेन्टेनैन्स वरकर जनरल मैनेजर से मिलने गये। गर्मा-गर्मी। जनरल मैनेजर की पिटाई। मैनेजिंग डायरेक्टर आया। पुलिसचौकी। परमानेन्ट मैन्टेनैन्स मजदूरों को नौकरी से निकाल दिया। पिछले वर्ष जनवरी में मैनेजमेन्ट ने ऑपरेटरों और क्वालिटी वालों में झगड़ा करवाया था। काफी चोटें। तीन दिन फैक्ट्री में काम बन्द। पुलिस। हफ्ता-भर स्टाफ वाले रात को फैक्ट्री में सोये। बात नहीं बढानी कह कर सब ऑपरेटरों का हिसाब। मैनेजिंग डायरेक्टर, ''वह नौकर नहीं थे। मैं उनका नौकर था।''

✶डी के जैन ग्रुप की **लुमैक्स ऑटोमोटिव टेक्नोलोजीज** (91 बी सैक्टर-5, आई एम टी मानेसर) इलेक्ट्रोनिक्स फैक्ट्री में 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट, ओवर टाइम सिंगल रेट से। दस परमानेन्ट मजदूर और दो ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे 200 वरकर। सुबह की शिफ्ट में 5 बज कर 50 मिनट से पहले फैक्ट्री पहुँचो। और तब : काम नहीं है, एक लाइन के वरकर, दस मजदूर वापस जायें, एक पैसा नहीं देते। महीने में पाँच-सात बार ऐसा। बात यहीं समाप्त नहीं होती। एक घण्टे बाद फोन कर फैक्ट्री आने को भी कह देते हैं — इसके लिये वरकरों का ग्रुप बना रखा है। नहीं लौटने पर अगले दिन ''नो इन्ट्री''। कैन्टीन में भोजन बहुत खराब। भरपेट नहीं खा सकते। रात काटनी होती है इसलिये खाना पड़ता है।

✶ग्रेटर नोएडा में प्लॉट 27-28 इकोटेक-3, एक्सटेन्शन-2, उद्योग केन्द्र-2 स्थित **इलजिन इलेक्ट्रोनिक्स** फैक्ट्री में मजदूरों की तनखा 7675 रुपये। ड्युटी प्रतिदिन 13 घण्टे की लेकिन पैसे 12 घण्टे के, ओवर टाइम की पेमेन्ट सिंगल रेट से। आने-जाने का प्रबन्ध मजदूर अपने पैसों से करें। कैन्टीन में भोजन 25 रुपये नगद में, क्वालिटी खराब, कैन्टीन ठेकेदार कहता है एच आर वालों से बोलो। कमीशन और कमाई का चक्कर। भोजन अवकाश 30 मिनट का, बीस मिनट तो लाइन में ही लग जाते हैं। वरकर छोड़ते रहते हैं।

✶कॉटन क्राफ्टर्स (297 सैक्टर-6, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में महिला मजदूरों की सुबह 9 से रात 9 की ड्युटी। पुरुष वरकर सुबह 9 से रात 9, रात 1, रात 2, अगली सुबह 4 बजे तक काम करते हैं। साप्ताहिक अवकाश नहीं, प्रत्येक रविवार को भी काम। एक घण्टा काट कर, 12 घण्टे ड्युटी में 3 घण्टे को ओवर टाइम कहते हैं, भुगतान सिंगल रेट से ही। फैक्ट्री में भोजन करने का स्थान नहीं। इधर पुराने वरकरों के 1 फरवरी से कार्ड बदल दिये हैं। उनकी जनवरी की तनखा बैंक में भेजी थी परन्तु फरवरी की कैश दी है जबकि बाकी मजदूरों की फरवरी की तनखा बैंक खातों में भेजी।

✶ए एस के ऑटोमोटिव (28 सैक्टर-4, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में 800 मजदूर 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में काम करते हैं। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से भी कम, 36-37 रुपये प्रति घण्टा। कैन्टीन में स्टाफ के लिये भोजन ठीक है लेकिन मजदूरों के लिये घटिया भोजन।

✶सिग्मा ऑटोमोटिव मैटेरियल्स (16 सैक्टर-3, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में 350 मजदूर 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में। रविवार को भी 24 घण्टे काम। फरवरी और मार्च में एक रविवार को भी छुट्टी नहीं। ओवर टाइम का भुगतान सिंगल रेट से। फैक्ट्री में बनते सी एन सी, वी एम सी मशीनों के पार्ट्स जर्मनी निर्यात होते हैं।

और बातें यह भी

✶हिन्द हाइड्रोलिक्स (13 सैक्टर-24, फरीदाबाद) फैक्ट्री में जनवरी की तनखा 18 फरवरी को दी थी। फरवरी की तनखा 28 मार्च तक नहीं दी थी।

✶ब्ल्यू स्टार (गुड़गाँव बस अड्डे के पास कार्यालय) कम्पनी ने मारुति फैक्ट्रियों, ई एस आई अस्पताल आदि में एयरकन्डीशनर प्लॉन्ट लगाये हैं।

सुरक्षाकर्मी

कम्पनियों की अपनी सरकार के कानून अनुसार 12 घण्टे लगातार ड्युटी दो दिहाड़ी की बराबर है। और साप्ताहिक अवकाश के दिन 12 घण्टे ड्युटी तीन दिहाड़ी के बराबर है। गार्डों को जो एक महीने की तनखा के तौर पर पैसे दिये जाते हैं। वो वास्तव में नब्बे प्रतिशत गार्डों की ढाई महीने की तनखा होती है।

✶करण सेक्युरिटी सर्विस द्वारा गुड़गाँव, फरीदाबाद, दिल्ली, पानीपत, सोनीपत में सप्लाई किये गार्डों की 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में ड्युटी। साप्ताहिक अवकाश नहीं। प्रतिदिन 12 घण्टे ड्युटी पर 30-31 दिन के 10,500-12,000 रुपये। और नेट पर गार्ड के पी एफ खाते में किसी महीने 150 रुपये तो किसी महीने 450 रुपये जमा किये दिखाते हैं......

✶बी एस टी सेक्युरिटी एण्ड मैनपावर सर्विस (कार्यालय ओखला औद्योगिक क्षेत्र, दिल्ली) द्वारा सप्लाई गार्ड 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में ड्युटी करते हैं। कोई छुट्टी नहीं वर्ष के 365 दिन। ई एस आई तथा पी एफ राशि काट कर , गार्ड को प्रतिदिन 12 घण्टे ड्युटी पर 30-31 दिन के दस हजार रुपये..... हाजरी कम दिखाते हैं। और, जो 300 लेबर सप्लाई करते हैं उनकी तनखा 7000-9000-10,000 रुपये।

✶सेन्टीनल सेक्युरिटी सर्विस द्वारा आई एम टी मानेसर में सप्लाई गार्डों की 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में ड्युटी। साप्ताहिक अवकाश नहीं। प्रतिदिन 12 घण्टे ड्युटी पर 30-31 दिन के गार्ड को 13,500 रुपये — ई एस आई तथा पी एफ राशि काट कर। जनवरी से देय मँहगाई भत्ता लागू नहीं किया है।

✶एस आई एस गार्डों को काट-पीट कर 12 घण्टे रोज पर तीस दिन ड्युटी के वही 12 हजार रुपये। जनवरी से देय मँहगाई भत्ता तनखा में नहीं जोड़ा है, कहते हैं आयेगा। और 650 रुपये काट कर एस आई एस कम्पनी सेक्युरिटी गार्डों को जो जूते देती है उनके सोल दो-तीन महीने मे निकल जाते हैं।

इन्हें चलाने के लिये गुड़गाँव में 200 ऑपरेटर हैं जिन्हें ई एस आई तथा पी एफ काट कर महीने के मात्र 9800 रुपये देते हैं।

✶साइन सुत्रा (डी-8/2 ओखला फेज-2, दिल्ली) फैक्ट्री में दो बार चैकिंग वाले आये। कुछ वरकरों की 12 घण्टे की ड्युटी को 8 घण्टे की दिखा कर, चाय-पानी पिला कर, खिला-पिला कर, फैक्ट्री में नया ग्रेड लागू दिखा कर कागज पूरे किये। ई एस आई तथा पी एफ वाले भी आते हैं, खा-पी कर लौट जाते हैं। हैल्परों की ई एस आई नहीं, पी एफ नहीं, प्रतिदिन 12 घण्टे ड्युटी पर तीस दिन के 10,500 रुपये।

✶कलमकारी डिजाइन्स (383 उद्योग विहार फेज-2, गुड़गाँव) फैक्ट्री बन्द दिखा कर गोदाम दिखाते हैं। लेकिन 100 मजदूरों से चोरी-छिपे सिलाई करवाते हैं। तनखा से ई एस आई तथा पी एफ की राशि के नाम पर 1400 रुपये काटते हैं लेकिन ई एस आई कार्ड नहीं, और मजदूरों को पी एफ का नम्बर नहीं बताते।

✶कोसमोस बायोसाइन्सेज (1095 सैक्टर-58, फरीदाबाद) फैक्ट्री में 50-60 मजदूर हैं लेकिन ई एस आई तथा पी एफ लागू नहीं की हैं।

✶बेलसोनिका ऑटोकम्पोनेन्ट्स (आई एम टी मानेसर में मारुति परिसर के अन्दर) फैक्ट्री में काम कम होने पर तीन-चार वर्ष से काम कर रहे 350 मजदूर निकाल दिये।

✶डी एच एल कूरियर (सी-53/2 ओखला फेज-2, दिल्ली) कम्पनी में कार्यरत 100 से ज्यादा वरकरों की तनखा 9700 रुपये। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भी मैनेजमेन्ट कहती है कि कोर्ट में पेपर फँसा हुआ है।

✶उद्योग विहार, गुड़गाँव में **ईस्टर्न मेडिकिट** फैक्ट्रियों की नीलामी का आदेश दिल्ली हाई कोर्ट ने दे दिया है।

✶डक्स (इं) इन्डस्ट्रीज (एफ-33/5 ओखला फेज-2, दिल्ली)

(बाकी पेज तीन पर)

कुतरना–कुतरना–कुतरना

★ ग्रेटर नोएडा में **वीवो मोबाइल** फैक्ट्री में जुलाई 2017 में मजदूरों के विद्रोह का असर : 10 घण्टे की शिफ्ट में तीन टी-ब्रेक और एक भोजन अवकाश ; नाइट शिफ्ट के 1000 रुपये ; उत्पादन प्लान पूरा करने वाली लाइन को 1000 रुपये अवार्ड।

इधर टी-ब्रेक समाप्त, मात्र लन्च-ब्रेक। नाइट शिफ्ट के 1000 रुपये बन्द। उत्पादन अवार्ड के 1000 रुपये बन्द।

वीवो फैक्ट्री में ठेकेदार कम्पनियों के जरिये वरकर भर्ती किये जाते हैं। वीवो मैनेजमेन्ट ने शर्तें रखी हैं : आयु 25 वर्ष से अधिक नहीं ; 300 किलोमीटर दूर के रहने वाले हों। ठेकेदार कम्पनियों और एच आर वालों के लिये रिश्वत का आधार प्रदान। पैसे ले कर ठेकेदार कम्पनियाँ मजदूरों को इन्टरव्यू के लिये भेजती हैं और वीवो एच आर वाले उन वरकरों को इन्टरव्यू में पास कर देते हैं। वैसे लिख कर टाँग रखा है : भर्ती का कोई पैसा नहीं लिया जाता। शिकायत इस फोन नम्बर पर।

★ जे पी मिण्डा ग्रुप की फैक्ट्रियों **जे एन एस इन्सट्रुमेन्ट्स, जय उशिन, जय ऑटो** का गेट एक था और यह प्लॉट 4 सैक्टर-3, आई एम टी मानेसर में स्थित हैं। वर्ष 2014 में मजदूरों के विद्रोह का परिणाम अलग-अलग गेट तो हुये ही, तनखा बढाई, और ओवर टाइम का भुगतान भी दुगुनी दर से किया जाने लगा। स्वभाव अनुसार कम्पनियों ने कुतरना आरम्भ किया। अब इन फैक्ट्रियों में वरकरों को ओवर टाइम 65 रुपये प्रति घण्टा की दर से दिया जाता है। जबकि इस समय अकुशल श्रमिक का, हैल्पर का भी ओवर टाइम 85 रुपये प्रति घण्टा बनता है।

★ **विश्वास इन्डस्ट्रीयल ऑटोटेक** (44-45 नगला गुजरान, फरीदाबाद) फैक्ट्री में मजदूरों की तनखा 6500 रुपये। आठ घण्टे बाद जबरन रोकते हैं, महिला मजदूरों को रात 9 बजे तक। मैनेजमेन्ट कहती है कि पुलिस और लेबर डिपार्टमेन्ट कुछ नहीं करेंगे क्योंकि मन्थली ले जाते हैं। छोड़ने पर वरकर को काम किये दिनों के पैसे नहीं देते।

★ **फिलामेन्ट फैशन** (सरकारी स्कूल वाली गली, डुण्डाहेड़ा, गुड़गाँव) फैक्ट्री में 6 लाइनों में 150 टेलर और 50 फिनिशिंग वरकर सुबह 9 से रात 9 की शिफ्ट में काम करते हैं और रात 11, रात 1 बजे तक रोक लेते हैं। किसी भी मजदूर की ई एस आई नहीं, पी एफ नहीं। निकाल देते हैं तब किये हुये काम के पैसों के लिये चक्कर लगवाते हैं और पैसे काट कर भुगतान करते हैं।

साझेदारी

★ आई एम टी मानेसर, उद्योग विहार गुड़गाँव, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, नोएडा, फरीदाबाद में मजदूर समाचार का वितरण हर महीने होता है।

★ मजदूर समाचार के वितरण के दौरान फुरसत से बातचीत मुश्किल रहती है। इसलिये मिलने-बातचीत के लिये पहले ही सूचना देने का सिलसिला आरम्भ किया है। चाहें तो अपनी बातें लिख कर ला सकते हैं, चाहें तो समय निकाल कर बात कर सकते हैं, चाहें तो दोनों कर सकते हैं।

– मंगलवार, 30 अप्रैल को सुबह 6 बजे से 9½ तक आई एम टी मानेसर में सैक्टर-3 में बिजली सब-स्टेशन के पास मिलेंगे। खोह गाँव की तरफ से आई एम टी में प्रवेश करते ही यह स्थान है। जे एन एस फैक्ट्री पर कट वाला रोड़ वहाँ गया है।

– उद्योग विहार, गुड़गाँव में फेज -1 में पीर बाबा रोड़ पर वोडाफोन बिल्डिंग के पास सोमवार, 29 अप्रैल को सुबह 7 से 10 बजे तक बातचीत के लिये रहेंगे। यह जगह पेड़ के नीचे चाय की दुकान के सामने है।

– वीरवार, 2 मई को सुबह 7 से 10 बजे तक चर्चा के लिये ओखला-सरिता विहार रेलवे क्रॉसिंग (साइडिंग) पर उपलब्ध रहेंगे।

★ फरीदाबाद में अप्रैल में हर रविवार को मिलेंगे। सुबह 10 से देर साँय तक अपनी सुविधा अनुसार आप आ सकते हैं। फरीदाबाद में बाटा चौक से थर्मल पावर हाउस होते हुए रास्ता है। ऑटोपिन झुग्गियाँ पाँच-सात मिनट की पैदल दूरी पर हैं।

फोन तथा व्हाट्सएप के लिये नम्बर : 9643246782

ई-मेल < majdoorsamachartalmel@gmail.com >

और बातें यह भी.......(पेज दो का शेष)

फैक्ट्री में नवम्बर 2018 से लागू ग्रेड नहीं दिया। मजदूर एक यूनियन के पास गये। कम्पनी ने ग्रेटर नोएडा ट्रान्सफर के पत्र दे दिये। यूनियन ने 21 जनवरी को श्रम विभाग में शिकायत की। अप्रैल-आरम्भ में भी तारीखें पड़ रही हैं। मजदूरों को जनवरी की तनखा नहीं दी गई है।

★ **लिरा इन्डस्ट्रीयल्स** (155 उद्योग विहार फेज-1, गुड़गाँव) फैक्ट्री में ठेकेदार कम्पनी के जरिये रखे 20 मजदूरों की तनखा से पी एफ राशि काटते हैं लेकिन एक महीने की ही भविष्य निधि कार्यालय में जमा करवाते हैं, 6 महीनों की जमा नहीं करते।

चालाक बुद्धि की एक झलक

★ **रखेजा इन्टरप्राइजेज** (120 उद्योग विहार फेज-1, गुड़गाँव) फैक्ट्री में 600-700 मजदूर परन्तु ई एस आई तथा पी एफ 10-20 की ही हैं। महीने में 110-120 घण्टे ओवर टाइम, 26 की बजाय 31 से भाग कर दर सिंगल रेट से भी कम निकालते हैं। बैंक में तनखा 10-20 की, बाकी सब मजदूरों को नगद। जनवरी से देय मँहगाई भत्ता नहीं दिया है।

★ **उमाशंकर खण्डेलवाल एण्ड कम्पनी** (ई-30 ओखला फेज-2, दिल्ली) फैक्ट्री में प्रतिदिन 12 घण्टे ड्युटी पर 30-31 दिन के 15-17-19 हजार रुपये। कम्पनी इसे तनखा दिखाती है, ई एस आई तथा पी एफ इन राशियों पर काटती है, दिल्ली का ग्रेड लागू किया दिखाती है। जबकि यह ढाई महीनों की तनखायें हैं। जिन्हें 15 हजार रुपये देते हैं उनकी तनखा तो छह हजार रुपये हुई।

★ **विनय कारपोरेशन** (42 सैक्टर-3, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में तनखा में दिये 8542 रुपये परन्तु पी एफ 8827 रुपये पर काटा है। जनवरी से देय मँहगाई भत्ता नहीं दिया है। फैक्ट्री में 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट हैं और ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से भी कम।

★ **डिस्पोसेफ हैल्थ एण्ड लाइफकेयर** (प्लॉट 1-2, फेज-2, सैक्टर-59, फरीदाबाद) फैक्ट्री की नौकरी छोड़ने के बाद वरकर को उसकी जनवरी की तनखा न तो ठेकेदार कम्पनी ने और न ही डिस्पोसेफ मैनेजमेन्ट ने मार्च के प्रथम सप्ताह तक दी थी।

★ **हाई टेक गियर** (25-26-27 सैक्टर-7, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट। साढे तीन घण्टे को ओवर टाइम कहते हैं। पे-स्लिप में ओवर टाइम का भुगतान दुगुनी दर से दिखाते हैं : ओवर टाइम के 100 घण्टे हैं तो पे-स्लिप में 50 घण्टे दिखाते हैं।

★ **फैशन एक्सेसरीज** (16 सैक्टर-4, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में जनवरी में 100-120 घण्टे का ओवर टाइम। कम्पनी ने 48 घण्टे के ओवर टाइम का भुगतान दुगुनी दर से किया और बाकी के ओवर टाइम के घण्टों का एक पैसा नहीं दिया। शिफ्ट सुबह साढे नौ बजे से है लेकिन महिला मजदूरों को सुबह 8 बजे बुला लेते हैं और रात सवा आठ बजे छोड़ते हैं। पुरुष वरकरों को रात सवा बजे, अगली सुबह सवार चार बजे तक रोकते हैं। इन दो महीनों में 700-800 मजदूर छोड़ गये और अब एक हजार वरकर बचे हैं।

★ **प्रणव विकास** (45-46 इन्डस्ट्रीयल एरिया, फरीदाबाद) फैक्ट्री में 8 घण्टे की जगह 12 घण्टे की ड्युटी। ओवर टाइम के घण्टे चार से कम दिखाते हैं। और ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से।

★ **अग्रेसिव इलेक्ट्रोनिक्स** (264 सैक्टर-6, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में काम करते तीन-चार महीने हो जाते हैं तब मजदूर की ई एस आई तथा पी एफ आरम्भ करते हैं। इधर जनवरी से देय मँहगाई भत्ता नहीं दिया है।

★ **के ए इन्टरप्राइजेज** (70 सैक्टर-6, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में आठ महीनों से ओवर टाइम का भुगतान नहीं किया है। ओवर टाइम के करीब 600 घण्टे हो गये हैं। साहब बोले हैं कि मार्च की तनखा के साथ इक्ट्ठा देंगे।

मेरा स्वार्थ

★ मेरा स्वार्थ है कि साँस लेने की हवा ठीक हो, अच्छी हो।

★ मेरा स्वार्थ है कि पीने का पानी ठीक हो, अच्छा हो।

★ मेरा स्वार्थ है कि भोजन मिट्टी से उपजा हो चाहे जीवों से प्राप्त किया हो, ठीक हो, अच्छा हो।

★ मेरा स्वार्थ है कि प्रेम और आदर मुझे अधिक से अधिक मिलें।

★ मेरा स्वार्थ है कि चिन्ता और डर कम से कम हों।

★ मेरा स्वार्थ है कि मेरे होने का एक अर्थ हो, एक महत्व हो।

मेरे यह स्वार्थ तेरे भी स्वार्थ हैं। हम सब के स्वार्थ हैं। सात अरब लोगों के स्वार्थ हैं।

स्वार्थरहित वाली कोई बात नहीं है। अपने स्वार्थों की पूर्ती के लिये प्रत्येक प्रयासरत है। अनेकानेक प्रयास हमारे पूर्वजों ने किये हैं और ऐसा ही हम कर रहे हैं। किये जा रहे, किये जा चुके प्रयासों का अधिकाधिक आदान-प्रदान करना और उन पर मनन-मन्थन तो बेहतर प्रयास करने के लिये बनता ही है।

आसान और कारगर

★ **किरण उद्योग** (32 सैक्टर-3 आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में फरवरी की तनखा 27 मार्च तक नहीं दी थी। रात की शिफ्ट वाले मजदूर 27 मार्च को फैक्ट्री नहीं गये। कम्पनी ने 28 मार्च को तनखा दे दी।

किरण उद्योग ग्रुप की ऑटो पार्ट्स की तीन फैक्ट्रियाँ दिल्ली में, तीन आई एम टी मानेसर में, और एक-एक फैक्ट्री बावल, रुद्रपुर, बेंगलुरू में हैं। कम्पनी की 32 सैक्टर-3 फैक्ट्री में 250 मजदूर 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में काम करते हैं। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से।

★ **विभा प्रैस** (सी-66/3 ओखला फेज-2, दिल्ली) में फरवरी के आरम्भ में सब वरकर नवम्बर 2018 से लागू ग्रेड के लिये ऑफिस में गये। साहब ने साफ इनकार कर दिया। फिर फरवरी में ही एक दिन मजदूरों ने काम बन्द कर दिया। विभा प्रैस में नया ग्रेड लागू कर दिया गया है।

★ **बेनोक्स एग्जिम** (19 सैक्टर-4, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में बात अप्रैल 2018 की है। पीने के पानी की समस्या। नल कम थे और जब-तब पानी भी नहीं। मैनेजमेन्ट से कई बार कहने के बावजूद स्थिति जस की तस। एक दिन ड्युटी के लिये पहुँच कर सब मजदूर फैक्ट्री के बाहर गेट पर आ गये। घण्टे-भर में प्रोडक्शन मैनेजर, जनरल मैनेजर, डायरेक्टर पहुँचे। दो घण्टे में पानी का उचित प्रबन्ध करने का आश्वासन। वरकर अन्दर गये। सवा नौ बजे की जगह 12 बजे काम आरम्भ हुआ। तब से फैक्ट्री में पीने के पानी की समस्या नहीं है।

बेनोक्स फैक्ट्री की तीन मंजिला बिल्डिंग में करीब एक हजार मजदूर चमड़े के बैग, बैल्ट आदि बनाते हैं। सुबह सवा नौ से साँय 6 की शिफ्ट है परन्तु रात साढे आठ बजे तक काम होता है। ओवर टाइम सिंगल रेट से।

★ **विक्टर कम्पोनेन्ट** (बी-86 ओखला फेज-1, दिल्ली) फैक्ट्री में नवम्बर 2018 से निर्धारित न्यूनतम वेतन नहीं दिये जाने पर जनवरी में 300 मजदूरों ने दो दिन काम बन्द किया। मैनेजमेन्ट ने जनवरी की तनखा नये ग्रेड अनुसार देने की बात कही। नहीं लागू किया। फरवरी में विक्टर मजदूरों ने फिर दो दिन काम बन्द किया। नया ग्रेड लागू नहीं किया है।

मतलब रिजाइन का

एक्युटेक ऑटो (233 सैक्टर-24 फरीदाबाद) फैक्ट्री से मैनेजमेन्ट ने मार्च में 12 मजदूरों को नौकरी से निकाला। सवाल फिर रिजाइन का उठा। इस्तीफा लिखने का मतलब है नोटिस पे शून्य। नौकरी छूटने की क्षतिपूर्ति शून्य। और पाँच वर्ष से कम नौकरी है तो ग्रेच्युटी की राशि शून्य। अगर मजदूर नौकरी छोड़ना नहीं चाहते और कम्पनी निकालना चाहती है तो त्यागपत्र लिखने से इनकार करना बनता है। तब निकालने पर कम्पनी से एक से तीन महीने की नोटिस पे ले सकते हैं। नौकरी के प्रति वर्ष पीछे कम से कम 15 दिन की क्षतिपूर्ति, 32 दिन वाला हिसाब ले सकते हैं। दो वर्ष की नौकरी हो तब भी ग्रेच्यूटी ले सकते हैं।

न्यूनतम वेतन

प्रतिदिन 8 घण्टे की ड्युटी और सप्ताह में एक दिन अवकाश अनुसार सरकारें महीने के लिये न्यूनतम वेतन निर्धारित करती हैं। मतलब : रोज 8 घण्टे काम पर 26 दिन के इतने पैसे कम से कम। आठ घण्टे बाद काम के घण्टे ओवर टाइम। सप्ताह में छुट्टी वाले दिन वाला काम ओवर टाइम काम। ओवर टाइम का भुगतान दुगुनी दर से।

★ केन्द्र सरकार द्वारा 1 अप्रैल 2019 से निर्धारित न्यूनतम वेतन यहाँ ए-श्रेणी के शहरों के लिये दे रहे हैं। नोएडा, गाजियाबाद, दिल्ली, गुड़गाँव, फरीदाबाद ए-श्रेणी में आते हैं।

केन्द्र सरकार और उसके संस्थानों में परमानेन्ट कर्मचारियों के लिये इन न्यूनतम वेतनों का कोई अर्थ नहीं है। लेकिन आंकलन है कि बीस-पच्चीस लाख वरकर केन्द्र और उसकी संस्थाओं ने ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे हैं। इन लाखों मजदूरों में सफाईकर्मी, सुरक्षाकर्मी, माल लादने-उतारने वाले वरकर, ड्राइवर, कम्प्युटर ऑपरेटर आदि हैं। भारत सरकार के किसी कार्यालय में यह वरकर हों, चाहे रेलवे में, चाहे डाक विभाग में, चाहे राष्ट्रीय राजमार्ग में, चाहे स्टेट बैंक अथवा बड़ौदा बैंक में, चाहे एम्स मेडिकल में, चाहे हवाई अड्डे पर, चाहे एफ सी आई गोदाम में : ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे जाते इन वरकरों के लिये 1 अप्रैल से ए-श्रेणी के शहरों में न्यूनतम वेतन इस प्रकार हैं —

अकुशल श्रमिक............15,184 रुपये
अर्ध-कुशल श्रमिक......16,770 रुपये
कुशल श्रमिक...............18,560 रुपये
उच्च कुशल श्रमिक.......20,072 रुपये

जिक्र कर दें कि बिना शस्त्र वाले गार्ड की कम से कम तनखा 18,460 रुपये है और शस्त्र के साथ गार्ड की 20,072 रुपये है।

★ दिल्ली सरकार ने अप्रैल-आरम्भ तक न्यूनतम वेतन की घोषणा नहीं की है। इसलिये सुप्रीम कोर्ट के आदेश से 1 नवम्बर 2018 से लागू न्यूनतम वेतन ही जारी हैं।

अकुशल श्रमिक...........14,000 रुपये
अर्ध-कुशल श्रमिक.......15,400 रुपये
कुशल श्रमिक...............16,962 रुपये

★ हरियाणा सरकार द्वारा 1 जनवरी 2019 से निर्धारित न्यूनतम वेतन

अकुशल श्रमिक............ 8827 रुपये
अर्ध-कुशल ब................9732 रुपये
कुशल ब..................... 10,730 रुपये
उच्च कुशल श्रमिक....... 11,266 रुपये

★ उत्तर प्रदेश सरकार ने अप्रैल-आरम्भ तक मँहगाई भत्ते की घोषणा नहीं की थी। ऐसे में 31 मार्च 2019 तक वाला न्यूनतम वेतन —

अकुशल श्रमिक...............7675 रुपये
अर्ध-कुशल श्रमिक.........8443 रुपये
कुशल श्रमिक.................9457 रुपये

26 हजार

मजदूर समाचार के मार्च अंक की 26 हजार प्रतियाँ छपी। व्हाट्सएप और ईमेल द्वारा कई अन्य पाठक जुड़े हैं।

मार्च अंक की 26 हजार प्रतियाँ जो छपी हैं वो पाठकों द्वारा और पाठक निर्मित करने की प्रक्रिया के कारण हैं। पाठक अपनी प्रति के साथ पाँच-दस-बीस-पचास-सौ-पाँच सौ-दो हजार प्रतियाँ ले कर अपने संवादों के लिये माहौल की रचना कर रहे हैं।

सब को निमन्त्रण है।

सम्पर्क के लिये फोन और व्हाट्सएप नम्बर : 9643246782

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं सम्पादक शेर सिंह के लिए रौनिजा प्रिन्टर्स फरीदाबाद से मुद्रित किया। **RN 42233**
सौरभ लेजर टाइपसैटर्स, बी—551 नेहरु ग्राउंड, फरीदाबाद द्वारा टाइपसैट।